साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24

CLASS - 11 SUBJECT - HISTORY

ekg	lIrkg	ikB dk uke	ikB dh mi[kM	dkyk'k	vf/kxe ifrQy
जुलाई 2021	पहला	अनुभाग– 1 प्रारंभिक समाज (परिचय कालांष सं0 4)	➢ परिचय	1	1. मनुष्य के उद्भव के शुरूआती चरण से लेकर आधुनिक मानव के बारे में ज्ञान प्राप्त करता है। 2. विश्व मानचित्र पर मिली प्रारंभिक मनुष्य की निषानी वाले स्थानों का पता लगाता है। 3. प्रारंभिक मानव का निवास स्थल – पेड़ों से गुफाओं तथा खुले स्थलों पर आवास, औजारों का निर्माण, षिकार आदि के बारे में जानकारी। 4. कुछ प्रमुख प्रौद्योगिक विकासों, जैसे– आग का आविष्कार, धातुओं के प्रयोग, हल द्वारा खेती तथा पहिए या चाक के प्रयोग के बारे में जानकारी मिलती है। 5. मानव हित के प्रयोग हेतु पषुओं को पालतू बनाना।
			➢ कालक्रम एक (6 लाख वर्ष पूर्व 1 ई.पू.) अफ्रीका, यूरोप, एषिया, आस्ट्रेलिया। प्रषान्त महासागरीय द्वीप।	3	
	दूसरा		➢ परिचय	1	
			➢ मानव के क्रमिक विकास की कहानी (क) आधुनिक मानव के पूर्वज (हाथ का क्रमिक विकास) (ख) आधुनिक मानव प्रतिस्थापन और क्षेत्रीय निरंतरता आदिकालीन मानव : भोजन प्राप्त करने के तरीके	3 1	
	तीसरा	विषय – 1 समय की शुरूआत से (कुल कालांष 12)	➢ आदिकालीन मानव : भोजन प्राप्त करने के तरीके	1	
			➢ प्रारंभिक मानव : पेड़ों से गुफाओं तथा खुले स्थलों पर आवास	1	
			➢ प्रारंभिक मानव : औजारों का निर्माण	1	
			➢ संप्रेषण एवं संचार के माध्यम : भाषा और कला	1	
			➢ अफ्रीका में षिकार – संग्राहकों के साथ प्रारंभिक संपर्क	1	
	चौथा		➢ षिकारी – संग्राहक समाज : वर्त्तमान से अतीत की ओर	1	
			➢ उपसंहार, काल – रेखा – 1,2 पुनरावृत्ति	1	
जुलाई	चौथा	विषय – 2 लेखन कला और शहरी जीवन (कुल कालांष 13)	➢ परिचय	1	1. नगरों का आविर्भाव और इसके आवष्यक दषाओं जैसे – अत्यंत उत्पादक खेती, मंदिर, व्यापार केन्द्र की भूमिका को समझ पाते हैं। 2. लेखन कला एवं मोहरों के विकास और प्रयोग को समझ पाते हैं। 3. प्राचीन साम्राज्य जैसे– मेसोपोटामिया के भूगोल और इसके संस्कृति को समझ पाते हैं।
			➢ मेसोपोटामिया और उसका भूगोल	1	
			➢ शहरीकरण का महत्व शहरों में माल की आवाजाही	1	
	पाचवां		➢ लेखन कला का विकास	1	
			➢ लेखन प्रणाली	1	
			➢ साक्षरता	1	
			➢ लेखन का प्रयोग	1	
			➢ दक्षिणी मेसोपोटामिया का शहरीकरण – मंदिर और राजा – मोहर : एक शहरी षिल्प–कृति	2	
			➢ शहरी जीवन	1	

			➢ पषुचारक क्षेत्र में एक व्यापारिक नगर	1	
			➢ मेसोपोटामिया संस्कृति में शहरों का महत्व	1	
अगस्त 2021	पहला		➢ लेखन कला की देन	1	
			➢ काल – रेखा	1	
			➢ मानचित्र एवं पुनरावृत्ति	2	
अगस्त 2021	पहला	अनुभाग– 2 साम्राज्य (परिचय कालांष – 4)	➢ परिचय कालक्रम दो (लगभग 100 ईसा पूर्व से 1300 ईसवी)	1	
			➢ अफ्रीका	1	
			➢ यूरोप		
	दूसरा		➢ एषिया	2	
			➢ दक्षिणी एषिया		
			➢ अमरीका		
			➢ आस्ट्रेलिया/प्रषांत द्वीप		

अगस्त	तीसरा	विषय – 3 तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य (कुल कालांष 10)	➢ परिचय – रोमन इतिहास को जानने के स्त्रोत – सामग्री	1	1. रोमन साम्राज्य के बारे में विस्तृत जानकारी साथ ही यूरोप, एषिया और अफ्रीका में इनके प्रसार के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। 2. रोमन साम्राज्य के अंतर्गत विभिन्न नगरों, समुद्रों, प्रांतों की भौगोलिक स्थिति साथ ही सिल्क, धातु के प्रयोग के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। 3. दास–प्रथा और रोमन कानून 'जस्टीनियन कोड' की जानकारी प्राप्त होता है। 4. रोमन लोगों ने ही सर्वप्रथम कंकरीट का प्रयोग किया है और कोलोजियम तथा पेंथियन द्वारा रोमन स्थापत्य कलाा को समझ पाते हैं। 5. रोमन सभ्यता का विष्व के प्रति सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान संभवतः ईसाई धर्म के प्रसार के रूप में कैसे हुआ समझ पाते हैं।
			➢ साम्राज्य का आरंभिक काल	2	
			➢ तीसरी शताब्दी का संकट लिंग, साक्षरता, संस्कृति	1	
			➢ आर्थिक विस्तार	1	
			➢ श्रमिकों पर नियंत्रण	1	
			➢ सामाजिक श्रेणियाँ	1	
			➢ परवर्ती पुराकाल	1	
	चौथा		➢ घटनाओं का सारांष + मानचित्र	1	
			➢ पुनरावृत्ति	1	
अगस्त	चौथा	विषय – 4 इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग – 570 – 1200 ई. (कुल कालांष– 16)	➢ परिचय – स्त्रोत	1	1. अरब में इस्लाम का उदय, पैगम्बर मुहम्मद, , इस्लामी कैलेंडर को जान पाते हैं। 2. इस्लाम के प्रमुख सिद्धांत, खलीफाओं का ष्षासन, सम्प्रदाय निर्माण को समझ पाते हैं। 3. उम्मैद खिलाफत और अब्बासी खिलाफत की उपलब्धि और सल्तनतों का उदय समझ पाते हैं। 4. धर्मयुद्ध, सूफीवाद की षिक्षाएँ जान पाते हैं। 5. इस्लामी धार्मिक कला के दो कलाओं – खुषनवीसी और अरबेस्क को समझ पाता है। 6. विस्त्र के प्राचीनतम ष्षहरों जैसे दम्षिक, समरकंद, तेहरान और बगदाद आदि की जानकारी प्राप्त होती है।
			➢ अरब में इस्लाम का उदय – धर्म निष्ठा, समुदाय और राजनीति इस्लामी कैलेण्डर	1	
			➢ खलिफाओं का शासन – विस्तार, गृहयुद्ध और सम्प्रदाय निर्माण	2	
	पचवां		➢ उम्मयद और राजतंत्र का केन्द्रीकरण अब्बासी क्रांति	1	
सितम्बर	पहला		➢ खिलाफत का विघटन और सल्तनतों का उदय	2	
			➢ धर्मयुद्ध	2	
	दूसरा		➢ अर्थव्यवस्था – कृषि, शहरीकरण और वाणिज्य	2	
			➢ विद्या और संस्कृति	2	
			➢ काल रेखा और मैप	1	

	तीसरा		➢ पुनरावृत्ति	2	
सितम्बर	तीसरा	विषय – 5 यायावर साम्राज्य (कुल कालांष–13)	➢ परिचय	1	1. मंगोलों द्वारा निर्मित पारमहाद्विपीय साम्राज्य (यूरो–एषियाई महाद्वीप) को समझ पाते हैं। 2. मंगोलों के महानतम नेता चंगेज खान की जीवन परिचय, विजय उपलब्धियाँ और मंगोलां की सफलता के कारणों को जान पाते हैं। 3. चंगेज खान और उसके बाद के मंगोलों ने बहु–जातीय, बहु–भाषी, बहु–धार्मिक षासन की आधारषिला रखकर एक आदर्ष प्रस्तुत किया जिसका अनुसरण भारत में मुगल ष्षासकों द्वारा भी किया गया, यह जान पाते हैं।
			➢ भूमिका	1	
			➢ मंगोलों की सामाजिक और राजनैतिक पृष्ठभूमि	1	
	चौथा		➢ चंगेज खान का जीवन – वृत	2	
			➢ चंगेज खान के उपरांत मंगोल	4	
			➢ समाजिक, राजनैतिक और सैनिक संगठन		
	पाचवां		➢ निष्कर्ष : चंगेज खान और मंगोलों का विष्व इतिहास में स्थान	1	
			➢ तिथि और मानचित्र	1	
			➢ पुनरावृत्ति	2	
	पहला	अनुभाग– 3 बदलती परंपराएँ (परिचय कालांष – 5)	➢ भूमिका	1	
	दूसरा		➢ भूमिका	1	
			➢ कालक्रम तीन (लगभग 1300 – 1700) अफ्रीका यूरोप एषिया दक्षिणी एषिया अमरीका, आस्ट्रेलिया/प्रषांत महासागरीय द्वीप	3	

अक्टूबर	द्वितीय सप्ताह	विषय –6 तीन वर्ग (कुल कालांष –10)	➢ परिचय ➢ सामन्तवाद का परिचय ➢ फ्रांस और इंग्लैंड	1	1. सामन्तवाद का परिचय, स्वरूप और इसके विकास को समझ पाते हैं। 2. यूरोप के विभिन्न सामाजिक वर्गों का अध्ययन जैसे– प्रथम वर्ग– पादरी वर्ग, दूसरा वर्ग – अभिजात वर्ग, तीसरा वर्ग – किसान और चौथा वर्ग – नवीन नगर एवं नगरवासियों के सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक विष्लेषण समझना। 3. बरहवीं और तेरहवीं सदी में होने वाले सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक असंतोष एवं सामंतवाद के पतन के कारकों को समझ पाते हैं। 15वीं और 16वीं शताब्दियों में सामन्तवाद प्रथा के दुर्बल होने के साथ शक्तिषाली राजतंत्रों के उदय को समझ पाते हैं।
	तीसरा		तीन वर्ग दूसरा वर्ग – अभिजात वर्ग	1	
			➢ मेनर की जागीर	1	
	चौथा		➢ प्रथम वर्ग – पादरी वर्ग भिक्षु चर्च और समाज	1	
			➢ तीसरा वर्ग – किसान, स्वतंत्र और बंधक इंग्लैंड	1	
			➢ सामाजिक और आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने वाले कारक पर्यावरण भूमि का उपयोग नयी कृषि प्रौद्योगिकी	1	
			➢ चौथा वर्ग ? नए नगर और नगरवासी कथड्रील – नगर	1	
			➢ चौदहवीं सदी का संकट सामाजिक असंतोष	1	
	पाचवां		➢ राजनीतिक परिवर्तन	1	
			➢ मानचित्र और पुनरावृत्ति	1	
अक्टूबर	पाचवां	विषय –7 बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ (कुल कालांष –11)	➢ परिचय	1	1. 17वीं शताब्दी के अंत में यूरोप में हुए नगरीय संस्कृति का विकास, इसके फलस्वरूप हुए पुनर्जागरण को समझना, इसके उदय और विकास को जान पाया। 2. इटली ही पुनर्जागरण का केन्द्र क्यों बना? इसे जाना। साथ ही इसके प्रमुख शहर फ्लोरेंस, वेनिस और रोम कला और विद्या के केन्द्र बन गए, इसे समझा। 3. मानवतावाद का विकास, कला और वास्तुकला में मानवतावादी विचारों का प्रसाद, विज्ञान और दर्षन में अरबियों की भूमिका जान पाया। 4. पुनर्जागरण के प्रभाव को समझा, राष्ट्रीय
			➢ इटली के नगरों का पुनरूत्थान	1	
			➢ विष्वविद्यालय और मानवतावाद इतिहास का मानवतावादी दृष्टिकोण	1	
नवम्बर	पहला		➢ विज्ञान और दर्षन – अरबियों का योगदान कलाकार और यथार्थवाद	1	
			➢ वास्तुकला प्रथम मुद्रित पुस्तकें	1	
			➢ मनुष्य की एक नयी संकल्पना महिलाओं की आकांक्षाएँ	1	
			➢ इसाई – धर्म के अंतर्गत वाद–विवाद	1	

	दूसरा		➢ सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियाँ कॉपरलिनसीय क्रांति	1	राज्यों का उदय, विज्ञान का विकास साथ ही कोपरनिकसीय क्रांति , ब्रह्मांड का अध्ययन आदि को समझ पाया। 5. धर्म सुधार आंदोलन, इसका प्रभाव और मार्टिन लूथर की भूमिका को जान पाया।
			➢ ब्रह्मांड का अध्ययन चौदहवीं सदी में क्या यूरोप में पुनर्जागरण हुआ था?	1	
			➢ मानचित्र और पुनरावृत्ति	2	
नवम्बर 2021	तीसरा	विषय –8 संस्कृतियों का टकराव (कुल कालांष –12)	➢ परिचय	1	1. 15वीं और 17वीं शताब्दी में यूरोप और अमेरिका के लोगों के बीच हुए मुठभेड़ों को समझना तथा अमंरिका की भौगोलिक दषा को समझ पाया। 2. माया, इंका और एजटेक सभ्यता को समझना, इनमें समानताएँ और यूरोपीय संस्कृति से इसकी असमानताओं को जान पाया। 3. नवीन व्यापारिक मार्गों की खोज में यूरोपवासियों (पुर्तगाल एवं स्पेन) का योगदान। कोलंबस द्वारा अमेरिका की खोज को । 4. अमेरिका की खोज के परिणामों में विजय, उपनिवेष और दास व्यापार को समझा।
			➢ कैरीबियन द्वीप समूह और ब्राजील के जन–समुदाय	1	
			➢ मध्य और दक्षिणी अमरीका की राज्य व्यवस्थाएँ एजटेक जन माया लोग	1	
			➢ पेरू के इंका	1	
	चौथा		➢ यूरोपवासियों की खोज यात्राएँ	1	
			➢ अटलांटिक पारगमन यूरोपवासियों द्वारा समुद्री यात्राएँ	2	
			➢ अमरीका के स्पेन के साम्राज्य की स्थापना कोर्टेस और एजटेक लोग	2	
			➢ पिंजारों और इंका लोग कैब्राल और ब्राजील	1	
	पाचवां		➢ विजय, उपनिवेष और दास व्यापार	1	
			➢ पुनरावृत्ति	1	

दिसम्बर	पहला	अनुभाग– 4 आधुनिकीकरण की ओर (परिचय कालांष–4) विषय – 9 औद्योगिक क्रांति (कुल कालांष–11)	➢ परिचय	1	1. 1780 के दषक और 1850 के दषक के मध्यवर्ती काल के दौरान उद्योग और अर्थव्यवस्था का जो रूपांतरण हुआ जिसे प्रथम औद्योगिक क्रांति कहा गया को समझ पाया। 2. औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम ब्रिटेन में ही क्यों हुआ इसे समझाया गया। 3. औद्योगिक क्रांति के विकास में कोयला, लोहा, वस्त्र उद्योग, भाप की शक्ति का आविष्कार, नहर और रेल परिवहन आदि की भूमिका को समझा। 4. औद्योगिकीकरण के विभिन्न प्रभाव – राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक प्रभाव जाना। मजदूरों, महिलाएँ और बच्चे पर इसका क्या प्रभाव पड़ा यह भी जान पाए हैं।
			➢ कालक्रम चार (लगभग 1700–2000) अफ्रीका, यूरोप, एषिया, दक्षिणी एषिया, अमरीका, आस्ट्रेलिया। प्रषांत महासागरीय द्वीप	3	
	दूसरा		➢ परिचय ब्रिटेन क्यों?	1	
			➢ शहर, व्यापार और वित्त	1	
			➢ कोयला और लोहा	1	
			➢ कपास की कताई और बुनाई	1	
			➢ भाप की शक्ति	1	
			➢ नहरें और रेलें	1	
	तीसरा		➢ परिवर्तित जीवन मजदूर	1	
			➢ औरतें, बच्चे और औद्योगीकरण	1	
			➢ विरोध आंदोलन कानूनों के जरिये सुधार	1	
			➢ औद्योगिक क्रांति के विषय में तर्क–विर्तक	1	
			➢ मानचित्र और पुनरावृत्ति	1	
दिसम्बर	तीसरा	विषय – 10 मूल निवासियों का विस्थापन (कुल कालांष–12)	➢ परिचय	1	1. इस अध्याय में अमेरिका और आस्ट्रेलियया के मूल निवासियों के बारे में जान सका। 2. उत्तरी अमेरिका और मूल वासियों और यूरोपवासियों से मुकाबला हुआ और मूल निवासियों को अपनी जमीनों से वंचित क्यों होना पड़ा इसे समझ सका। 3. अमेरिका के गोल्ड रष, औद्योगिक विकास और अमेरिका के स्वाधीनता संग्राम को जान सका 4. ऑस्ट्रेलिया में मूल निवासी इतिहास की पुस्तक से बाहर क्यों हुआ इसे समझा। 5. यूरोपवासियों द्वारा नई दुनिया के देषों को दिए गए नामों की जानकारी प्राप्त हुई।
	चौथा		➢ यूरोपीय साम्राज्यवाद	1	
			➢ उत्तरी अमरीका (मूल निवासी)	1	
			➢ यूरोपियनों से मुकाबला	1	
			➢ पारस्परिक धारणाएँ	2	
जनवरी	दूसरा		➢ अपनी जमीन से मूल बाषिंदों की बेदखली	1	
			➢ गोल्ड रष और उद्योगों की वृद्धि संवैधानिक अधिकार	1	
			➢ बदलाव की लहर	1	
			➢ आस्ट्रेलिया	1	
			➢ बदलाव की लहर		
			➢ मानचित्र पुनरावृत्ति	1	

जनवरी	तीसरा	विषय – 11 आधुनिकीकरण के रास्ते (कुल कालांष–16)	➢ भूमिका	1	1. इस अध्याय से हम जान सके कि किस प्रकार चीन ने अपनी राष्ट्र शक्ति का पुनर्निमाण किया और कैसे जापानी नियंत्रण से मुक्त होने की कोषिष किया। 2. 1949 में चीन साम्यवादी पार्टी ने गुह युद्ध को जीत लिया और कैसे अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार किए, यह पता चला। 3. जपान किस प्रकार औपनिवेषिक साम्राज्य कायम करने में सफल रहा, लेकिन साम्राज्य की लालसा ने उसे युद्ध में झोंक दिया और 1945 में अमेरिका से हार हुई। 4. हार के उपरांत जापान ने किस प्रकार फिर से आधुनिकीकरण का सफर शुरू किया यह उसकी राष्ट्रवाद की ताकत को दिखाता है।
			➢ परिचय	1	
			➢ जापान : राजनीतिक व्यवस्था मेजी पुनर्स्थापना	2	
	चौथा		➢ अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण औद्योगिक मजदूर एआक्रामक राष्ट्रवाद	1	
			➢ पष्चिमीकरण और परंपराए रोजमर्रा की जिन्दगी	1	
			➢ आधुनिकता पर विजय एहार के बाद – एक वैष्विक आर्थिक शक्ति के रूप में वापसी	1	
			➢ चीन – परीक्षा प्रणाली	1	
			➢ गणतंत्र की स्थापना	1	
			➢ समय .रेखा	1	
	पाचवां		➢ चीनी साम्यवादी दल का उदय नए जनवाद की स्थापना : 1949 – 65	1	
			➢ दर्षनों का टकराव : 1965–78 1978 से शुरू होने वाले सुधार ताईवान का किस्सा	1	
			➢ कोरिया की कहानी : आधुनिकीकरण की शुरूआत युद्योत्तर राष्ट्र तीव्र औद्योगिकीकरण एवं मजबूत नेतृत्व	1	
			➢ लोकतंत्रीकरण की मांग और निरंतर आर्थिक विकास कोरियाई लोकतंत्र और आई.एस.एफ. संकट	1	
			➢ आधुनिकता के दो मार्ग	1	
	छठा		➢ मानचित्र एवं पुनरावृत्ति	1	